October 2015

TODAY

(NEWSLETTER OF EURASIA REIYUKAI)

Year : 3, Vol. 28

www.eurasiareiyukai.com

Smile of The Month

विजया दशमी एवं दीपावली की हार्दिक मंगलमय शुभकामनाएं

विजया दशमी एवं दीपावली २०१५ के पावन उपलक्ष में सम्पूर्ण नागरिकों, यूराशिया रेयूकाई के सम्पूर्ण लीडर्स व सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं। पूर्वजों से ग्रहण करने का मौका प्राप्त किये प्राकृतिक वातावरण, रीति-रिवाज व संस्कृति का संरक्षण करते हुए इस बार के विजया दशमी एवं दीपावली के अवसर पर सुख-शान्ति व समृद्धि की कामना करता हूँ।

– युशुन मासुनागा, संस्थापक अध्यक्ष
एवं यूराशिया रेयूकाई परिवार

यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष जी का मार्गनिर्देशन

नेपाल देश में महाभूकंप बाढ़, भू-स्खलन, बन्द, यातायात की समस्या पेट्रोल की समस्या सहित विभिन्न समस्याएं हैं। विशेष कर काफी परेशानियों वाला समय चल रहा है। ऐसे समय में बुस्सोगोनेन की महान रेयूकाई शिक्षा का प्रसार करते जाना होगा। वास्तविक रूप में करने का मौका प्राप्त करने के लिए हम मनुष्य के रूप में जन्म लेकर आए हैं। पूर्वजों के प्रति, अभिभावकों के प्रति कृतज्ञता लौटाने की बात आधार के रूप में है। प्रायश्चित के कर्म शुद्धिकरण से बुरी बातों को दूर करने वाले साधारण व्यक्ति हैं। वह कार्य नहीं करने से नहीं होगा। कर्म का शुद्धिकरण नहीं करने से नहीं होगा। देश-प्रेम की भावना जागृत करानी होगी। अपना देश इसके अनुसार ठीक है या नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इस देश को किस प्रकार देखा जा रहा है। इन बातों को सोचने में सदस्यों को लगाना पड़ेगा। युवावर्ग देश से पलायन कर विदेशों की ओर जा रहा है। युवकों को राष्ट्रीय भावना लेने में लगाएं, इस देश में जन्म लेने के प्रति कृतज्ञ होकर आज की ऐसी स्थिति बनने पर भी, उजियाला देश, उजियाला संसार बनाने के लिए युवकों के मन को विकसित करना पड़ेगा। सदस्यों को क्षमा और कृतज्ञता सिखानी पड़ेगी। इस देश को बचाने वाला मेरे अलावा कोई नहीं है, ऐसा महसूस करते हुए अपने साथ-साथ युवकों को भी भ्रमण कराकर अभ्यास करना पड़ेगा।

यूराशिया रेयूकाई प्राकृतिक वातावरण संरक्षण समिति की अपील

हमारी निवास करने वाली पृथ्वी क्रमशः विनाश की बढ़ती जा रही है। इस विनाश का मुख्य कारण हम मानव जाति का पृथ्वी के प्रति कृतज्ञ नहीं होना तथा जैसे-तैसे प्राकृतिक वातावरण को प्रदूषित करने वाले क्रियाकलाप हैं। यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष जी का मार्गनिर्देशन 'पृथ्वी रहने के कारण ही हम हैं, इसलिए पृथ्वी के प्रति हमे गर्व करने वाला होना पड़ेगा', है। हमारे पूर्वजों द्वारा सौंपे गये प्राकृतिक वातावरण को और सुन्दर बनाकर अपनी आने वाली पीढ़ी को सौंपने के लिए हम सभी यूराशिया रेयूकाई के सदस्यों को मौका प्राप्त करना होगा। विश्व की वर्तमान अवस्था में विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाएं जैसे- भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन और जलवायु परिवर्तन की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसी प्राकृतिक आपदाओं के आने का मतलब प्राकृतिक वातावरण के प्रति सचेत होने तथा इसके प्रति अपनी जिम्मेवारी और कर्तव्य महसूस कराने का संकेत हमें आध्यात्मिक जगत से मिल रहा है। इसलिए प्राकृतिक वातावरण के संरक्षण के प्रति स्वयं सचेत होकर औरों को भी सचेत बनाने के लिए हम यूराशिया रेयूकाई के सम्पूर्ण सदस्यों को निम्नानुसार सचेतनता फैलाने वाला कार्य करना है:-

१) अपनी पृथ्वी को हम स्वयं बचाएं।
२) जलवायु परिवर्तन से होने वाले प्रभावों के बारे में समाज में जनचेतना जगाएं।
३) वन-जंगलों का विनाश न करें तथा उपयुक्त स्थान पर वृक्षारोपण करें।
४) वृक्षारोपण कर अपने निवास करने वाले स्थान को हरा-भरा बनाएं।
५) एक वृक्ष प्रत्येक वर्ष लगभग १० किलोग्राम कार्बन डाई आक्साइड का शोषण करता है, इसलिए वृक्षारोपण कर कार्बन डाई आक्साइड गैस को कम करें, वृक्षों का विनाश न करें।
६) नागरिक साफ-सफाई अभियान में अग्रसर होकर सहभागी बनें और अपने रहने वाले समाज को स्वच्छ व साफ-सुधरा बनाएं।
७) यथासंभव गंदगी कम फैलाएं और उत्पादित गंदगी का समुचित व्यवस्थापन करें।
८) सड़ने-गलने वाले कचरों को एक स्थान पर जमा कर उससे खाद बनाकर प्रयोग करें।
९) री-साइकिलिंग कर पुनः प्रयोग कर सकने वाले कचरों को जमा कर पुनः प्रयोग करें।
१०) प्लास्टिक से वातावरण पर नकारात्मक असर पड़ने के कारण प्लास्टिक की सामग्रियां का यथासंभव प्रयोग न करें।
११) खेतों में रासायनिक खाद और कीटनाशक आदि का प्रयोग न कर जैविक खाद का प्रयोग करें।
१२) यथासंभव वाहनों का कम प्रयोग करें और पैदल चलकर वातावरण को स्वच्छ रखें।
१३) विद्युत के उपकरणों का व्यवहार करने के बाद पूर्ण रूप से स्विच बंद कर कार्बन डाई अक्साइड के उत्पादन को घटाएं।
१४) विद्युत, गैस, कोयला और तेल के प्रयोग से कार्बन डाई आक्साइड का उत्पादन ज्यादा मात्रा में होने के कारण यथासंभव इनका प्रयोग कम करें।
१५) बिजली की रोशनी के लिए सीएफएल लैम्प (बत्तियों) का प्रयोग करें।
१६) वन विनाश और भूमि विनाश को रोकने के लिए सौर्यशक्ति, गोबर गैस और विद्युत शक्ति के वैकल्पिक श्रोतों का व्यवहार करें।

मुमा जी द्वारा तैयार की गयीं विजय दशमी विशेष हेतु बैग

मुमा श्रीमती हिरोको मासुनागा की सक्रियता में यूराशिया रेयूकाई भारत एवं नेपाल में हस्तकला प्रशिक्षण केन्द्र का नियमित संचालन होकर प्रशिक्षकों का निर्माण करने का मौका प्राप्त कर विभिन्न क्षेत्रों में दक्षता विकास करने का मौका प्राप्त होता आ रहा है।

यूराशिया रेयूकाई को भूकम्प से अति प्रभावित क्षेत्रों में विभिन्न सहयोगात्मक क्रियाकलाप करने का मौका प्राप्त हुआ है

यूराशिया रेयूकाई भूकम्प से अति प्रभावित क्षेत्रों में निरन्तर रूप से विभिन्न सहयोगात्मक क्रियाकलापों द्वारा महाविनाशकारी भूकम्प से मानवीय एवं भौतिक क्षति से ग्रस्त होकर, स्वजनों को खोकर घर-बार विहीन होकर भीषण दुःख का सामना कर रहे नागरिकों और बालक-बालिकाओं को खुशी प्रदान करने के लिए निम्न क्षेत्रों में राहत के क्रियाकलाप संचालन करने का मौका प्राप्त कर रहा है:-

२३ सितम्बर २०१५, सिन्धुपाल्चौक जिला के श्री जनजागृति माध्यमिक विद्यालय सांगाचौक की स्थिति भूकम्प के कारण ध्वस्तप्राय हो चुकी है। यूराशिया रेयूकाई द्वारा उक्त विद्यालय में बाल-कक्षा से लेकर ५वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों सहित २१ श्रवण विकलांग विद्यार्थियों, कुल १४८ विद्यार्थियों में शिक्षण सामाग्रियों सहित अन्य दैनिक आवश्यक सामाग्रियों का वितरण करने का मौका प्राप्त हुआ।

२४ सितम्बर २०१५ के दिन दोलखा जिला की भीमेश्वर नगरपालिका के वार्ड नं २ स्थित श्री बाल मंदिर में विपन्न परिवार के ५२ बालक-बालिकाओं को उक्त विद्यालय की पोशाक (शर्ट-पैन्ट) और स्कूल बैग सहित स्कूल को १००० लीटर की पेयजल टैंक वितरण का मौका प्राप्त हुआ। इस कार्य से उक्त बालक-वालिकाओं में काफी खुशी और उर्साह देखा गया।

टुडे पत्रिका के प्रति मेरा इम्प्रेसन

यूराशिया रेयूकाई द्वारा प्रत्येक माह प्रकाशित होने वाली 'टुडे' पत्रिका मेरी रेयूकाई शिक्षा के लिए अभ्यास के ही मात्र न होकर वास्तविक जीवन में आज के दिन का कितना महत्व है, यह भी एक बार दर्शा देती है। इस पत्रिका के माध्यम से एक अपरिचित व्यक्ति को भी परिचित बनाने का माध्यम बना हुआ है। यूराशिया रेयूकाई शिक्षा क्या है? कौन किस तरह के क्रियाकलाप कर रहा है, इसमें स्पष्ट उल्लिखित किया रहता है। इस कारण से एक अपरिचित व्यक्ति भी यूराशिया रेयूकाई की शिक्षा से सहज में ही परिचित होने का मौका पत्रिका के माध्यम से प्राप्त करता है। विभिन्न क्षेत्रों में मिलनों में जाने के क्रम में एक-दूसरे सदस्यों के बीच मुलाकात करने का माध्यम भी यह टुडे पत्रिका बनी है, इसलिए इसका काफी महत्व है। अगली बार मिलन में आने पर नयी पत्रिका लेकर आने का मौका प्राप्त होगा, ऐसा अपने सदस्यों से प्रत्येक महीने कहने की आदत सी पड़ गयी है। टुडे पत्रिका के प्रति कृतज्ञ हूँ और कृतज्ञ होकर इसका उपयोग करती हूँ। सदस्यों से भी इस पत्रिका द्वारा उत्साह प्राप्त करने का इम्प्रेसन प्राप्त होने पर खुशी महसूस होने का मौका प्राप्त कर रही हूँ। टुडे पत्रिका के प्रत्येक महीने प्रकाशित होते रहने की अपेक्षा करती हूँ।

शिबुचो श्रीमती प्रिया लामिछाने, २२वीं शाखा

मेरा नाम सोनी राई है। मैं खुमलटार में रहती हूँ। में यूराशिया रेयूकाई १६ वीं शाखा की मिहाता की छांव में रहकर होजाशु के रूप में अभ्यास करने का मौका प्राप्त कर रही हूँ। मैं खासकर इसी टुडे पत्रिका में उल्लिखित विषय-वस्तुओं से प्रभावित होकर यूराशिया रेयूकाई की सदस्य बनने का मौका प्राप्त की हूँ। मैं बचपन से ही सामाजिक क्रियाकलापों में रूचि रहने के कारण एवं इस संस्था के भी सामाजिक सेवा सम्बन्धी कार्य करते रहने के कारण, इस संस्था से अंतरहृदय से जुड़कर सक्रिय रहती आ रही हूँ। मैं प्रत्येक महीने की टुडे पत्रिका स्वयं भी पढ़ती आ रही हूँ और अपने कॉलेज के सभी सहपाठियों व सदस्यों को हाथों-हाथ वितरण करने का मौका प्राप्त कर रही हूँ। मेरे मिचिबिकी नहीं हुए मित्र या सहपाठी टुडे पत्रिका की विषयवस्तुओं से प्रभावित होकर, मैं भी यूराशिया रेयूकाई का सदस्य बनूंगा/बनूंगी, ऐसा कहते हैं और मैं तत्काल ऐसे अनेक मित्रों को मिचिबिकी करने का मौका पाकर उनके घरों में अपने मिचिबिकी ओया और शिबुचो के सहयोग से सोकाइम्यो विराजमान कराने का मौका प्राप्त कर रही हूँ। सदस्यों के पूर्वजों का स्वागत करने एवं उनके पूर्वजों की आत्मा को बचाने का मौका पाकर काफी खुशी और अतिरिक्त उत्साह प्राप्त हो रहा है। साथ ही टुडे पत्रिका के माध्यम से ही मैं अगस्त महीने में ही २८ जन सदस्य बनाने का मौका प्राप्त की हूँ। आगामी दिनों में अतिरिक्त अभ्यास करने का मौका पाकर अपने साथ लेकर आयी जिम्मेवारी और कर्तव्य पूरा करने के लिए आज का स्वयं बनकर अभ्यास करने का मौका प्राप्त करूंगी। धन्यवाद, नमस्कार।

विभिन्न क्रियाकलापों की तस्वीरें

महिला विशेष कार्यक्रम, २८वीं शाखा

विश्व शांति दिवस, सिलीगुड़ी

नारायणी नदी साफ- सफाई, नारायणघाट

स्वयंसेवा, पाटन कृष्ण मंदिर, ११वीं शाखा

महिला विशेष कार्यक्रम, १६वीं शाखा, सानेपा।

बागमती साफ-सफाई अभियान

संस्थापक अध्यक्ष जी के साथ मिहाता शाखा संचालन समिति अध्यक्षगण।